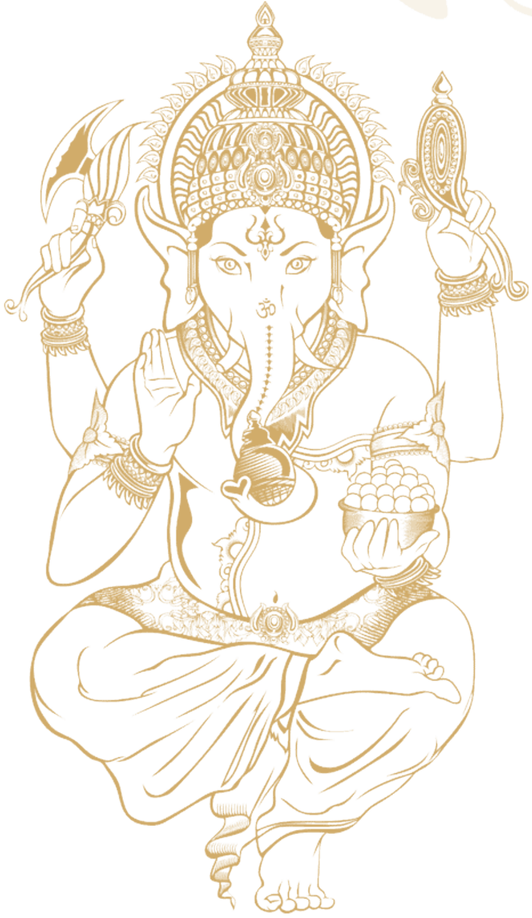

# Samriddhi ( Bhanu)

27 Feb 2011

05:05 PM

Faridabad

Model: web-freekundliweb

Order No: 121633502

| | |
|---|---|
| लिंग | स्त्रीलिंग |
| **जन्म तिथि** | **27/02/2011** |
| दिन | रविवार |
| **जन्म समय** | **17:05:00 घंटे** |
| इष्ट | 25:41:01 घटी |
| **स्थान** | **Faridabad** |
| राज्य | Haryana |
| देश | India |

| | |
|---|---|
| अक्षांश | 28:24:00 उत्तर |
| रेखांश | 77:18:00 पूर्व |
| मध्य रेखांश | 82:30:00 पूर्व |
| स्थानिक संस्कार | -00:20:48 घंटे |
| ग्रीष्म संस्कार | 00:00:00 घंटे |
| स्थानिक समय | 16:44:12 घंटे |
| वेलान्तर | -00:12:49 घंटे |
| साम्पातिक काल | 03:12:01 घंटे |
| सूर्योदय | 06:48:35 घंटे |
| सूर्यास्त | 18:19:00 घंटे |
| दिनमान | 11:30:25 घंटे |
| सूर्य स्थिति(अयन) | उत्तरायण |
| सूर्य स्थिति(गोल) | दक्षिण |
| ऋतु | वसन्त |
| सूर्य के अंश | 14:30:14 कुम्भ |
| लग्न के अंश | 29:16:00 कर्क |

### अवकहड़ा चक्र

| | |
|---|---|
| लग्न-लग्नाधिपति | कर्क - चन्द्र |
| **राशि-स्वामी** | **धनु - गुरु** |
| **नक्षत्र-चरण** | **पूर्वाषाढ़ा - 1** |
| नक्षत्र स्वामी | शुक्र |
| योग | सिद्धि |
| करण | विष्टि |
| गण | मनुष्य |
| योनि | वानर |
| नाड़ी | मध्य |
| वर्ण | क्षत्रिय |
| वश्य | मानव |
| वर्ग | मूषक |
| युँजा | अन्त्य |
| हंसक | अग्नि |
| जन्म नामाक्षर | भू-भूमिका |
| पाया(राशि-नक्षत्र) | स्वर्ण - ताम्र |
| सूर्य राशि(पाश्चात्य) | मीन |

# ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

| ग्रह | व | अ | राशि | अंश | गति | नक्षत्र | पद | नं. | रा | न | अं. | स्थिति |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| लग्न | | | कर्क | 29:16:00 | 310:37:53 | आश्लेषा | 4 | 9 | चंद्र | बुध | शनि | --- |
| सूर्य | | | कुंभ | 14:30:14 | 01:00:18 | शतभिषा | 3 | 24 | शनि | राहु | केतु | शत्रु राशि |
| चंद्र | | | धनु | 14:27:36 | 12:35:05 | पूर्वाषाढ़ा | 1 | 20 | गुरु | शुक्र | शुक्र | सम राशि |
| मंगल | | अ | कुंभ | 09:29:12 | 00:47:23 | शतभिषा | 1 | 24 | शनि | राहु | गुरु | सम राशि |
| बुध | | अ | कुंभ | 16:19:57 | 01:53:02 | शतभिषा | 3 | 24 | शनि | राहु | शुक्र | सम राशि |
| गुरु | | | मीन | 13:23:23 | 00:13:38 | उ०भाद्रपद | 4 | 26 | गुरु | शनि | राहु | स्वराशि |
| शुक्र | | | मक | 02:53:03 | 01:10:38 | उत्तराषाढ़ा | 2 | 21 | शनि | सूर्य | गुरु | मित्र राशि |
| शनि | व | | कन्या | 22:19:12 | 00:03:09 | हस्त | 4 | 13 | बुध | चंद्र | शुक्र | मित्र राशि |
| राहु | व | | धनु | 06:23:38 | 00:00:54 | मूल | 2 | 19 | गुरु | केतु | राहु | नीच राशि |
| केतु | व | | मिथु | 06:23:38 | 00:00:54 | मृगशिरा | 4 | 5 | बुध | मंगल | चंद्र | नीच राशि |
| हर्ष | | | मीन | 05:17:01 | 00:03:15 | उ०भाद्रपद | 1 | 26 | गुरु | शनि | शनि | --- |
| नेप | | | कुंभ | 04:44:44 | 00:02:15 | धनिष्ठा | 4 | 23 | शनि | मंगल | शुक्र | --- |
| प्लूटो | | | धनु | 13:03:22 | 00:01:15 | मूल | 4 | 19 | गुरु | केतु | बुध | --- |
| दशम भाव | | | मेष | 26:25:58 | -- | भरणी | -- | 2 | मंगल | शुक्र | केतु | -- |

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:01:05

## लग्न-चलित

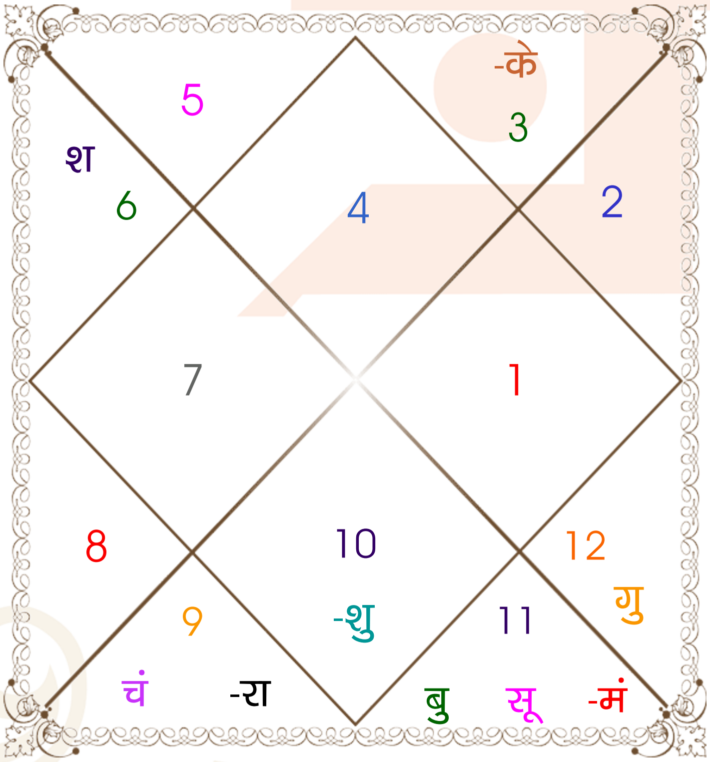


## चन्द्र कुंडली

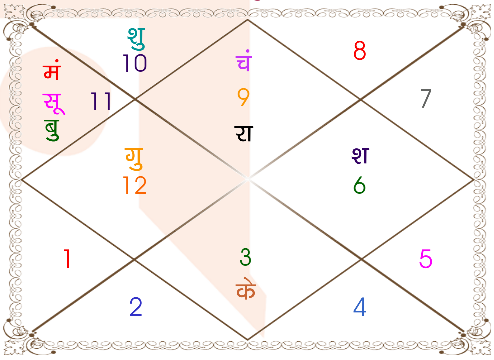


## नवमांश कुंडली

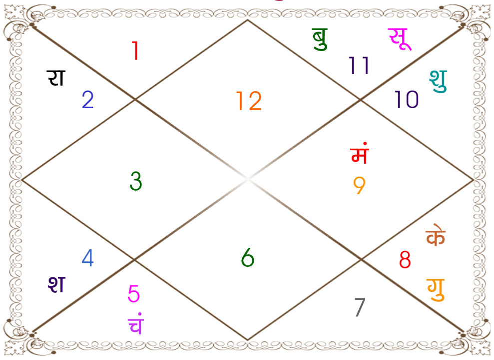

# विंशोत्तरी दशा

## भोग्य दशा काल : शुक्र 18 वर्ष 3 मास 21 दिन

| शुक्र 20 वर्ष | सूर्य 6 वर्ष | चंद्र 10 वर्ष | मंगल 7 वर्ष | राहु 18 वर्ष |
|---|---|---|---|---|
| 27/02/2011 | 20/06/2029 | 20/06/2035 | 20/06/2045 | 20/06/2052 |
| 20/06/2029 | 20/06/2035 | 20/06/2045 | 20/06/2052 | 20/06/2070 |
| शुक्र 19/10/2012 | सूर्य 08/10/2029 | चंद्र 20/04/2036 | मंगल 16/11/2045 | राहु 03/03/2055 |
| सूर्य 20/10/2013 | चंद्र 08/04/2030 | मंगल 19/11/2036 | राहु 05/12/2046 | गुरु 26/07/2057 |
| चंद्र 20/06/2015 | मंगल 14/08/2030 | राहु 21/05/2038 | गुरु 11/11/2047 | शनि 01/06/2060 |
| मंगल 20/08/2016 | राहु 09/07/2031 | गुरु 20/09/2039 | शनि 19/12/2048 | बुध 20/12/2062 |
| राहु 20/08/2019 | गुरु 26/04/2032 | शनि 20/04/2041 | बुध 17/12/2049 | केतु 07/01/2064 |
| गुरु 20/04/2022 | शनि 08/04/2033 | बुध 20/09/2042 | केतु 15/05/2050 | शुक्र 07/01/2067 |
| शनि 20/06/2025 | बुध 12/02/2034 | केतु 21/04/2043 | शुक्र 15/07/2051 | सूर्य 02/12/2067 |
| बुध 20/04/2028 | केतु 20/06/2034 | शुक्र 19/12/2044 | सूर्य 20/11/2051 | चंद्र 02/06/2069 |
| केतु 20/06/2029 | शुक्र 20/06/2035 | सूर्य 20/06/2045 | चंद्र 20/06/2052 | मंगल 20/06/2070 |

| गुरु 16 वर्ष | शनि 19 वर्ष | बुध 17 वर्ष | केतु 7 वर्ष | शुक्र 20 वर्ष |
|---|---|---|---|---|
| 20/06/2070 | 20/06/2086 | 21/06/2105 | 21/06/2122 | 21/06/2129 |
| 20/06/2086 | 21/06/2105 | 21/06/2122 | 21/06/2129 | 00/00/0000 |
| गुरु 07/08/2072 | शनि 23/06/2089 | बुध 18/11/2107 | केतु 17/11/2122 | शुक्र 28/02/2131 |
| शनि 19/02/2075 | बुध 02/03/2092 | केतु 14/11/2108 | शुक्र 17/01/2124 | 00/00/0000 |
| बुध 27/05/2077 | केतु 11/04/2093 | शुक्र 15/09/2111 | सूर्य 24/05/2124 | 00/00/0000 |
| केतु 02/05/2078 | शुक्र 11/06/2096 | सूर्य 21/07/2112 | चंद्र 23/12/2124 | 00/00/0000 |
| शुक्र 31/12/2080 | सूर्य 24/05/2097 | चंद्र 21/12/2113 | मंगल 22/05/2125 | 00/00/0000 |
| सूर्य 20/10/2081 | चंद्र 23/12/2098 | मंगल 18/12/2114 | राहु 09/06/2126 | 00/00/0000 |
| चंद्र 19/02/2083 | मंगल 01/02/2100 | राहु 06/07/2117 | गुरु 16/05/2127 | 00/00/0000 |
| मंगल 26/01/2084 | राहु 09/12/2102 | गुरु 12/10/2119 | शनि 24/06/2128 | 00/00/0000 |
| राहु 20/06/2086 | गुरु 21/06/2105 | शनि 21/06/2122 | बुध 21/06/2129 | 00/00/0000 |

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल शुक्र 18 वर्ष 3 मा 27 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

# लग्न फल

आपका जन्म अश्लेषा नक्षत्र के चतुर्थ चरण में कर्क लग्नोदय काल हुआ-लग्न के साथ-साथ मेदिनीय क्षितिज पर मीन राशि का नवमांश एवं द्रेष्काण भी उदित था। आपके जन्म आकृति से यह निर्देश प्राप्त होता है कि आप में दो प्रकार की विशेषता विद्यमान है। प्रथम तो यह है कि आप आस्तिक विचार धारा की भगवान के प्रति समर्पित प्राणी हैं तथा भगवान से भयभीत रहती है। दूसरा यह है कि आपके मन में धार्मिक तीर्थ-स्थानों का भ्रमण, दर्शन की अभिरूचि रहती है तथा आप दानशील प्रवृति की प्राणी है। आप पूर्ण रूपेण सांसारिक विषयों के प्रति रूचिवान हैं। आप ऐहिक सुखों के भोग हेतु किस प्रकार धन उपार्जन किया जाए। अर्थात् चाहे जो कुछ भी हों जीवन के अन्तिम किनारे तक सुख भोग एवं आनन्द प्राप्त करें। इसके अतिरिक्त आपको मद्यपान से स्नेह हैं। आप इन दो भिन्न-भिन्न विशेषताओं को किस प्रकार समतल करेगीं यह आप ही जानती हैं।

आप वास्तव में सामंजस्य के विद्यान की ज्ञाता है तथा सामंजस्य स्थापित करती हैं। आप कुशाग्रबुद्धि की प्रशिक्षित विद्वतापूर्ण प्रतिभा सम्पन्न हैं। आप धन प्राप्ति हेतु अनीतिपूर्ण अभिलाषा नहीं रखती।

परन्तु आपकी जन्मजात प्रवृति है कि आपके दिमाग में यह बात रहती है कि किसी भी बातों के सम्बंध में भली प्रकार ज्ञान प्राप्त करें। आप किसी के साथ छल कपट पूर्ण व्यवहार नहीं कर दूसरों के साथ विश्वसनीयता पूर्वक सहयोग एवं सहारा लेकर किसी भी वस्तु को हस्तगत करना चाहिए की नीति अपनाती हैं।

आपको अपने जीवन में सदैव उत्तम एवं मनोहर आनन्द प्राप्ति की अभिरूचि रहती है क्योंकि आप स्वार्थी प्राणी हैं। इस दृष्टिकोण से आपको विशेषतया सतर्कता अपनाना चाहिए। कम से कम परिवार के सामने अपनी व्यक्तिगत महत्वकांक्षा को सीमित रखें। आपको अपनी पति एवं सुसन्तान के प्रति आज्ञाकारी भावनाओं से युक्त समर्पित भाव से सदैव तत्पर रहने से प्रसन्नता की  प्राप्ति होगी। अतः आप निश्चित रूप से परिवारिक सदस्यों के सम्बंध की सीमा का उलंघन नहीं करे। आपको घर गृहस्थी द्वारा संयमित सुख साधन प्राप्त होगा। कर्क राशीय प्रभाव से आप वास्तव में अध्ययन तथा मार्गदर्शन कर सकती हैं। आप अपने निर्देशित शक्ति सम्पन्नता के पथ पर चलकर दूसरों के लिए उदाहरण प्रस्तुत करती हैं।

आपमें यह सामर्थ्य विद्यमान है कि आप कोई भी कार्य कुशलता पूर्वक सम्पन्न कर सकती हैं। आप अपनी तामसी प्रवृति का त्याग कर अथवा अवरूद्ध कर जन सामान्य में प्रसिद्धि प्राप्त करेंगी।

आप औसतन लम्बी छरहरे बदन, चेहरा एवं पूर्ण (गाल) कपोल युक्त सुन्दर है। आप समय के महत्व को समझ कर चल सकती हैं और आप बेढंगी चाल चलन को त्याग दें बल्कि दृढ़तापूर्वक शोभनीय आचरण करें। यदि आप अधिक भोजन ग्रहण करती रही तो आपके शरीर का अपरिमेय वृद्धि हो जाएगी तथा आप असामान्य दिखने लगेंगी। आपकी किशोरावस्था में स्वास्थ्य अच्छा रहेगा तथा आप अधिक समय तक मनोहर सुन्दर दिखेंगी। आपके शरीर का

समुचित विकास होगा। कर्क राशीय सिद्धान्त के प्रभाव से आपकी छाती में तथा पेट सम्बंधी रोगों (समस्याओं) के प्रति सावधानी बरतें क्योकि कुछ वर्षों के पश्चात् पाचन क्रिया विकृत होकर आपके सामने दिक्कतें पैदा कर सकती है। साथ ही आप शान्ति पूर्वक जीवन व्यतीत करने की आदत डालें क्योंकि आप एक सुन्दर (प्रसन्न) प्राणी हैं।

आप हिस्ट्रीया रोग, जॉनडिस (पीलिया रोग) एवं जलोदर रोग से प्रभावित तथा आक्रान्त हो सकती हैं। आप सतर्कता पूर्वक नियमित रूप से स्वास्थ्य परीक्षण कराती रहे।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में शुक्रवार एवं शनिवार पूर्ण आनन्द प्रदायक नही होगा। मंगलवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन सफलता प्रदायक होगा। बुधवार का दिन चिन्तनीय एवं व्ययकारी होगा। परन्तु रविवार का दिन सचेत रहने योग्य है।

आप अंक 4 एवं 6 अंक का व्यवहार हेतु (पसन्द) चुन सकते हैं। अंक 3 एवं 5 अंकों का परित्याग करें।

आपके लिए अनुकूल रंग सफेद, क्रीमकलर पीला एवं लाल रंग उत्तम है। कृपया रंग हरा एवं ब्लू रंग के वस्त्रादि धारण नहीं करें।